Seat No. _____

HAK-1601030101030501

B. A. (Sem.-III) (CBCS) (WEF-2016) Examination

May - 2023

Hindi : Core Paper-5

(छायावादी काव्य वैभव)

(Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : **70**

सूचना : (1) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(2) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

1 छायावादी कवि श्री जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

1 'हिमाद्री तुंङ्ग शृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना को स्पष्ट कीजिए । **14**

2 'प्रथम रश्मि' काव्य का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए । **14**

अथवा

2 प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । **14**

3 'ताज' में व्यक्त कवि के आक्रोश का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

3 ''भारतमाता' काव्य में कवि ने देश की दुर्दशा का चित्रण करते हुए राष्ट्रभाव का संदेश दिया है' इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए । **14**

4 भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का मूल्यांकन कीजिए । **14**

अथवा

4 ''भिक्षुक' कविता में कवि के प्रगतिवादी विचारों को अभिव्यक्ति मिली है' – कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **14**

5 टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं **दो**) **14**

(१) 'मधुर–मधुर मेरे दीपक जल ।' काव्य का उद्देश्य ।

(२) 'ताज' काव्य का शीर्षक ।

(३) 'प्रथम रश्मि' काव्य का संदेश ।

(४) 'भिक्षुक' काव्य का उद्देश्य ।